

## Behavioural science, 03

प्रश्न . मन की संरचना क्या है? मन के विभिन्न अवधारणाएँ या स्तर को बताइए।

What is Structure of Mind? Explain level of Mind.

उत्तर- मन की संरचना (Structure of Mind)

मन को गतिमान समग्र (dynamic whole) माना गया है। मन का विकास मनुष्य की उम्र के साथ-साथ होता रहता है।

मन व्यक्ति में पायी जाने वाली विभिन्न मानसिक और शारीरिक प्रक्रियाओं का समग्र रूप है।

अवलोकन (observation), चिन्तन (thinking), भावनाएं (feelings), पहचान (recognition), अधिगम (learning), स्मृति (memory), अवधान (attention), आदि सभी मानसिक क्रियाएँ और शारीरिक क्रियाएँ मस्तिष्क द्वारा ही आदेशित, संचालित, और नियंत्रित होती हैं।

Mind is considered as a dynamic whole. The mind keeps developing with the age of a person.

Mind is the composite form of various mental and physical processes found in a person.

All mental activities and physical activities like observation, thinking, feelings, recognition, learning, memory, attention etc. are ordered, operated and controlled by the brain.

मन या मस्तिष्क के स्तर (Levels of Minds)

जर्मन मनोवैज्ञानिक सिग्मण्ड फ्रायड (Sigmund Freud) के अनुसार मन के तीन स्तर (stages) हैं-

According to German psychologist Sigmund Freud, there are three stages

of the mind-

1. चेतन मन (Conscious mind)
2. अर्द्ध-चेतन मन (Sub-conscious mind)
3. अचेतन मन (Unconscious mind)

### 1. चेतन मन (Conscious Mind)

चेतन मन केवल जागरूक अवस्था में ही कार्य करता है।

व्यक्ति चेतन अवस्था में ही अपने आस-पास की घटनाओं का ज्ञान प्राप्त करता है तथा उसके प्रति अपनी प्रतिक्रिया दर्शाता है।

फ्रायड (Freud) के अनुसार

चेतन मन में यह सब कुछ शामिल है, जो हम सोचते हैं और तर्कपूर्ण (meaningful) बात करते हैं, जिसका सम्बन्ध तुरन्त ज्ञान से है।

इससे हमारे जीवन में जागरूकता (awareness) लाई जा सकती है, और ये हमारी स्मृति में शामिल है।

" फ्रायड के अनुसार चेतन मन को दो भागों में बांटा जा सकता है-

#### (a) चेतना का केन्द्र (Focus of Consciousness)

जो वस्तु या उद्दीपन (stimulant) चेतना के केन्द्र में होते हैं, उन पर व्यक्ति का ध्यान सर्वाधिक जाता है तथा उसका ज्ञान भी स्पष्ट होता है, जिन पर व्यक्ति अधिक ध्यान केन्द्रित करता है।

#### (b) चेतना का सीमा-प्रदेश (Margin of Consciousness)

चेतना के केन्द्र के आस-पास का क्षेत्र, जिसमें स्थित उद्दीपक धुंधले या अस्पष्ट दिखाई देते हैं, चेतना का सीमा प्रदेश कहलाता है।

यह वह क्षेत्र है, जिसके एक तरफ उद्दीपकों का तो व्यक्ति को स्पष्ट ज्ञान होता है, परन्तु दूसरी ओर स्थित उद्दीपकों का स्पष्ट ज्ञान नहीं होता है।

विशेषताएँ (Characteristics): चेतन मन में निम्न विशेषताएँ पायी जाती हैं-

- यह मन की जाग्रत अवस्था होती है।

- इसमें निरन्तर परिवर्तन होता है।

चेतना मार्ग-दर्शन का काम करती है।

चेतना में निरंतरता (essentiality) होती है।

- यह वस्तुओं को सकारात्मक (positive) या नकारात्मक (negative), दोहरे रूप में देखती है।

## 1. Conscious Mind

The conscious mind works only in the conscious state.

A person gains knowledge of the events happening around him and reacts to them only in the conscious state.

According to Freud

The conscious mind includes everything that we think and talk about logically, which is related to immediate knowledge.

This brings awareness to our lives, and it is included in our memory. "

According to Freud, the conscious mind can be divided into two parts-

(a) Focus of Consciousness

The objects or stimuli which are in the center of consciousness, attract the most attention of the person and also have clear knowledge of those on which the person focuses more.

(b) Margin of Consciousness

The area around the center of consciousness, in which the stimuli appear blurred or unclear, is called the border of consciousness.

This is the area, on one side of which the person has clear knowledge of the stimuli, but on the other side he does not have clear knowledge of the stimuli.

Characteristics: The following characteristics are found in the conscious mind-

- It is the awakened state of the mind.
- There is continuous change in it.

Consciousness works as a guide.

Consciousness has continuity (essentiality) • It sees things in a dual way, either positive or negative.

2. अर्द्ध-चेतन मन (Sub-conscious mind):

इसे Pre-conscious mind के नाम से भी जाना जाता है।

Pre-conscious mind (अर्द्ध-चेतन मन) व्यक्ति की साधारण स्मृति का प्रतिनिधित्व करता है।

इस भाग का संबंध ऐसी भूली हुई सामग्री से होता है जिसे इच्छानुसार कभी-कभी याद किया जा सकता है।

यह भूली हुई यादों के संग्राहक के रूप में कार्य करता है।

फ्रायड ने अर्द्ध-चेतन की तुलना बड़े कमरे से की है, जिसमें लाखों बातें संग्रहीत रहती हैं तथा उन्हें आवश्यकतानुसार याद किया जा सकता है। यह एक प्रहरी (doorkeeper) की तरह काम करता है, जरूरत पड़ने पर ही बातों को चेतन मन में जाने देता है। यह अधिकांश विचारों को अपने पास दमित (repressed) करके संग्रहीत कर लेता है।

विशेषताएँ (Characteristics): अर्द्ध-चेतन मन की विशेषताएं निम्न हैं-

यह चेतन मन की अपेक्षा अधिक विचारों का संग्रहण करता है।

- इसमें संग्रहीत सामग्री सक्रिय होती है।

इसमें संग्रहीत विचारों की मात्रा व्यक्ति के ध्यान पर निर्भर करती है।

इसमें संग्रहीत विचारों को चेतन मन में लाया जा सकता है।

It is also known as the pre-conscious mind.

The pre-conscious mind represents the ordinary memory of a person.

This part is related to such forgotten material which can be recalled at any time as per the wish.

It acts as a collector of forgotten memories.

Freud has compared the semi-conscious to a large room in which millions of things are stored and they can be recalled as per the need. It acts like a doorkeeper, allowing things to enter the conscious mind only when required. It stores most of the thoughts by repressing them.

Characteristics: The characteristics of the semi-conscious mind are as follows-

It stores more thoughts than the conscious mind.

- The material stored in it is active.

The amount of thoughts stored in it depends on the attention of the person.

The thoughts stored in it can be brought into the conscious mind.

### 3. अचेतन मन (Unconscious Mind):

अचेतन मन, मन का सबसे बड़ा गोदाम है, जिसमें जीवन भर की दमित इच्छाएं, भावनाएं, विचार, अनुभव (Conscious mind) संग्रहीत रहते हैं, यदि कोई सामग्री अचेतन मन में चली जाती है तो उसे याद करना या चेतन मन में लाना मुश्किल है।

विशेषताएँ (Characteristics): अचेतन मन की विशेषताएं निम्न हैं-

- अचेतन मन में दमित सामग्री का संग्रहण किया जाता है।
- यह चेतन मन से अधिक बड़ा व गहरा होता है।

इसे अचेतन प्रेरणा भी कहा जाता है।

इस सिद्धांत की तुलना फ्रायड के आइस-वर्ग सिद्धांत से की गई है।

फ्रायड का आइस-वर्ग सिद्धांत (Freud's Ice-piece Principle) -

फ्रायड ने मन की तीनों अवस्थाओं को समझने के लिए हिमखण्ड का एक उदाहरण दिया।

पानी में डूबा हुआ हिम-खण्ड (ice- piece) के ऊपर का हिस्सा (पानी की सतह से ऊपर का) चेतन मन (Conscious mind), पानी के नीचे जलमग्न (न दिखने वाला) हिस्सा अचेतन मन (Unconscious mind), और पानी की सतह पर दिखने वाला भाग अर्द्ध-चेतन मन (Pre-conscious mind) को दर्शाता है।

The unconscious mind is the biggest warehouse of the mind, in which the repressed desires, feelings, thoughts, experiences of the entire life are

stored.

If any material goes into the unconscious mind, then it is difficult to remember it or bring it into the conscious mind.

Characteristics:

The characteristics of the unconscious mind are as follows:

- Repressed material is stored in the unconscious mind.
- It is bigger and deeper than the conscious mind.

It is also called unconscious motivation.

This theory has been compared with Freud's ice-piece theory.

Freud's Ice-piece Principle -

Freud gave an example of an iceberg to understand the three states of the mind. The upper part of the ice-piece submerged in water (above the surface of water) represents the conscious mind, the part submerged under water (invisible) represents the unconscious mind, and the part visible on the surface of water represents the pre-conscious mind.